Edit with WPS Office

Vidya Bhawan Balika Vidyapeeth
Shakti utthan Ashram Lakhisarai

ONLINE STUDY MATERIAL BASED ON NCERT

Class - XII , Subject - MUSIC by P.SARKAR

संगीत पारिजात ग्रंथ की सम्पूर्ण अध्ययन ~ Part - 3

- मूर्छना प्रकरण के अन्तर्गत्त मूर्च्छना की परिभाषा देते हुये उसने केवल षडज ग्राम की मूर्छनाओं का वर्णन किया है। मध्यम और गंधार ग्राम की मूर्छनाओं को बिल्कुल छोड़ दिया है। शुद्ध स्वरों से सात मूर्छनाएं बन सकती है, किन्तु उसने विकृत स्वरों से भी सम्पूर्ण जाति की मूर्छनाओं की रचना की है। इसके बाद से उसने षडज ग्राम की शुद्ध और विकृत स्वरों की मूर्छनाओं की रचना की। इन सब को मिला देने से उसने बताया की केवल षडज ग्राम से 4 लाख, 20 हजार, 1 सौ 20 मूर्छनाओं की रचना हो सकती है।